आलस्य और अलबेलापन - 57

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ बापदादा ने देखा है कि एक संस्कार या नेचर कहो, नेचर तो हर एक की अपनी-अपनी है लेकिन **सर्व का स्नेही और सर्व बातों में, सम्बन्ध में सफल, मन्सा में विजयी और वाणी में मधुरता तब आ सकती है जब इज़ी नेचर हो। अलबेली नेचर नहीं। अलबेलापन अलग चीज़ है।**

➳ _ ➳ इज़ी नेचर उसको कहा जाता है - **जैसा समय, जैसा व्यक्ति, जैसा सरकमस्टांश उसको परखते हुए अपने को इज़ी कर देवे। इज़ी अर्थात् मिलनसार। टाइट नेचर बहुत टू-मच आफीशियल नहीं, आफीशियल रहना अच्छा है लेकिन टू मच नहीं और समय पर जब समय ऐसा है, उस समय अगर कोई आफीशियल बन जाता है तो वह गुण के बजाए, उनकी विशेषता उस समय नहीं लगती।**

➳ _ ➳ **अपने को मोल्ड कर सके, मिलनसार हो सके, छोटा हो, बड़ा हो। बड़े से बड़ेपन में चल सके, छोटे से छोटेपन में चल सके। साथियों में साथी बनके चल सके, बड़ों से रिगार्ड से चल सके।** इजी मोल्ड कर सके, शरीर भी इजी रखते हैं ना तो जहाँ भी चाहें मुड जाते हैं और टाइट होगा तो मुड नहीं सकेगा। **अलबेला भी नहीं, इज़ी है तो जहाँ चाहे इजी हो जाए, अलबेला हो जाए। नहीं। बापदादा ने कहा ना इजी हो जाओ तो इजी हो गये, ऐसे नहीं करना.. इज़ी नेचर अर्थात् जैसा समय वैसा अपना स्वरूप बना सके। (30.03.2000)**

➢➢ **इजी नेचर**

➳ _ ➳ सर्व का स्नेही सर्व बातों में, सम्बन्ध में सफल, मन्सा में विजयी और वाणी में मधुरता तब आ सकती है

→ **जब बाप जैसे बन जाए**

→ बाप के साथ स्वभाव संस्कार टेली हो जाए

→ साक्षी हो जाए

→ **जब बेहद मे रहेगे**

- जब सरल चित होंगे
- **पवित्रता होगी**
- **सरलता होगी**

➳ _ ➳ यह तब आ सकता है जब इजी नेचर हो

➳ _ ➳ इजी नेचर अर्थात

→ **जिसमे स्वच्छता हो**

→ जिसमे छल कपट न हो

→ **जो मिलनसार हो**

→ जो हल्का हो भारी नही हो

→ जिसमे रियलिटी रायल्टी हो

→ जो adjustable हो

→ जो flexible हो

→ **सबको Accept करने वाला हो**

→ प्यार मोहब्बत से रहने वाला हो

→ Friendly हो Tight Nature न हो

➳ _ ➳ **जैसा समय जैसा व्यक्ति हो जैसी परिस्थिति हो उसको परखते हुए अपने को इजी कर देना।**

➢➢ जैसा समय वैसा स्वरूप ये है इजी होना।

➳ _ ➳ जो समय अनुसार नही बदलते है

→ समय उनको जबरदस्ती बदलता है।

➳ _ ➳ **जहां चाहे इजी हो जाए पर अलबेला नही होना**

→ शब्दो को नही पकड़ना ईजी कि बस ईजी हो जाए।

➳ _ ➳ **बडे से बड़प्पन व छोटे के साथ छोटेपन साथियों के साथ साथी बनकर चल सके**

→ मिलनसार होना

→ Social होना

→ **अपने को मोल्ड कर लेना**

- ये भाव नही हो कि जो हम जो कर रहा हूं वही राइट है।
- अभी बहु तसारा पता करना है।
- **सीखना है ये भाव निरंतर हो**
- ऐसा न सोचे कि मेरे पास सब प्रश्नों के उतर है
- **बहु तसारे प्रश्न है जिनके उतर मुझे अभी भी ढूंढने है।**
- इस परिस्थिति मे क्या किया जाए ये भाव हो

➳ _ ➳ **समय अनुसार स्वयं को चेंज कर देना**

→ वही व्यक्ति सफल होता है।

- नई चीजे सीखना रोज
- उनको यूज कैसे करना वो सीखना
- **समय के साथ स्वयं को आगे ले चलना है ये सीखना**

➳ _ ➳ **हर परिस्थिति मे हर व्यक्ति के साथ स्वयं को एडजेस्ट कर लेना मोल्ड कर लेना Flexible हो जाना**

➢➢ **सम्बन्धों मे सफलता**

➳ _ ➳ सम्बन्धों मे सफलता के लिए जरूरी है

→ **अपनत्व हो**

→ **स्वमान मे रहते सम्मान देना**

→ **सम्बंधो में डिटैचमेंट हो**

- **लवफुल डिटैचमेंट हो**
- एकदम समीप चले जाने से तो घृणा सब कुछ आ जाता है
- अवगुण दिखने लगते है

→ **Loveful following relationship**

→ No imprisonment no boundages

→ No hatered no attachment

→ कोई fix pattern नही free हो

➳ _ ➳ ऐसे सम्बन्ध लम्बा समय चलते है

➳ _ ➳ जिनसे Attachment होता है फिर उन सम्बंधो से दुख अनुभव होता है

→ जिनसे नजदीक होते है उनसे ही दुखकी अनुभूतिमिलता है।

➳ _ ➳ **सबसे ज्यादा डिटैचमेंट उनसे ज्यादा जरूरी है जो हमारे आसपास रहते है पति पत्नी मां बाप भाई बहन भतीजे भतीजी**

➳ _ ➳ **सम्बंधो की नींव विश्वास है**

→ ये मेरा है समझ लिया तो गडबड चालू।

→ शक की कोई दवाई नही है

→ शक का कोई इलाज नही।

➳ _ ➳ **स्वभाव सहज सुगम सरल ऐडजेस्टेबल मोल्डेबल मिलनसार हो टाइटनेस न हो हल्का हो**

→ **इसके लिए झुक झुक सिक सिक मर मर**

➳ _ ➳ सम्बंधो मे बीच मे झील बनानी है मिल लिए तो ठीक न मिले तो ठीक।